भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में दिनांक : 07/03/2024 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन

भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन एवं हिंदी के प्रचार – प्रसार व प्रगति के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में दिनांक : 07 मार्च, 2024 को अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस हिंदी कार्यशाला में कुल 29 अधिकारी एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सर्वप्रथम खान नियंत्रक एवं राजभाषा अधिकारी डॉ. योगेश जी. काले ने हिंदी कार्यशाला की प्रस्तावना रखते हुए प्रतिभागियों को कार्यशाला के समस्त सत्रों की संक्षिप्त जानकारियां दीं।

हिंदी कार्यशाला में भारतीय खान ब्यूरो कार्यालय के व्याख्याताओं के साथ – साथ बाह्य संकाय द्वारा भी अलग – अलग विषयों पर अपने व्याख्यान दिए गए। इसमें भारतीय खान ब्यूरो के श्री बी. एल. गुर्जर, खान नियंत्रक (टी. एम. पी.) ने "ई-ऑफिस में हिंदी का प्रयोग" विषयों पर अपने व्याख्यान दिए, श्री राजीव कुमार, सदस्य सचिव एवं मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) द्वारा "राजभाषा हिंदी एवं कार्यालयीन कामकाज", श्री असीम कुमार, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने " हिन्दी तिमाही रिपोर्ट (भाग-1 एवं भाग-2)" पर व्याख्यान दिए।

अपने व्याख्यान में श्री बी. एल. गुर्जर, खान नियंत्रक (टी. एम. पी.) ने ई-ऑफिस में हिंदी में कार्य, आवती को जेनरेट करने हेतु विस्तृत जानकारी दी। आवती को जेनरेट करने के पश्चात् केन्द्रीकृत रूप से डायरी करने की जानकारी दी। ई-ऑफिस में फाइल खोलने की जानकारी के साथ – साथ हिन्दी टंकण में आने वाली समस्याओं व कठिनाईयों का भी समाधान कराया।

श्री राजीव कुमार, सदस्य सचिव एवं मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) द्वारा राजभाषा हिंदी एवं कार्यालयीन कामकाज से संबंधित जानकारी प्रदान की। साथ ही उन्होंने राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा बीच के अंतर को स्पष्ट किया।

श्री असीम कुमार, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने "हिन्दी तिमाही रिपोर्ट (भाग-1 एवं भाग -2)" को भरने के दौरान आने वाली कठिनाइयों के बारे में प्रतिभागयों को विस्तार से बताया तथा प्रतिभागियों के इससे संबंधित संदेह दूर किए।

कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों ने अपनी विशेष रूचि दिखाते हुए व्याख्याताओं से अपनी समस्याओं का निवारण किया साथ ही ऐसी कार्यशाला समय – समय पर नियमित रूप से आयोजित किए जाने की इच्छा व्यक्त की।

कार्यशाला के पश्चात् सभी प्रतिभागियों से कार्यशाला के विषय में उनकी प्रतिक्रियाएं भी प्राप्त की गई। सभी प्रतिभागियों ने सकारात्मक प्रतिक्रियाएं व्यक्त की साथ ही यह भी कहा कि

कार्यशाला में व्याख्याताओं के साथ विचार – विमर्श आवश्यक है तथा प्रतिभागियों ने सुझाव दिया कि इस प्रकार की हिंदी कार्यशाला समय – समय पर होनी चाहिए तथा तकनीकी विषयों पर भी कार्यशाला आयोजित करने के सुझाव दिए। साथ ही यह भी कहा कि ऐसी कार्यशालाओं से सरकारी कामकाज में काफी मदद मिलती है तथा इस कार्यशाला को पूरी तरह से परिपूर्ण बताया।

अंत में श्री अभिनय कुमार शर्मा, संपादक द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

भारतीय खान ब्यूरो,

भारतीय खान ब्यूरो,